प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं0 103/2018)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर, 2018

तुरंत जारी करने हेतु | वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

''30 जून, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए ''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट''

आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने 30 जून, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए ''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट'' जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 अप्रैल, 2018 से 30 जून, 2018 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ–साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहाँ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण की वेबसाईट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए अधोहस्ताक्षरी (श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली) से दूरभाष–011–23221856 फैक्स–011–23235249 एवं ई–मेल: skmishra.trai@nic.in पर संपर्क किया जा सकता है।

जारी करने के लिए प्राधिकृत

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए)

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादक संकेतक रिपोर्ट
अप्रैल से जून, 2018

कार्यकारी सारांश

1. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2018 के अंत में 1,206.22 मिलियन से बढ़कर जून, 2018 के अंत में 1,168.89 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 3.09 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर 3.46 प्रतिशत ह्रास दर दर्ज की गई। देश में 31 मार्च, 2018 को समग्र दूरसंचार घनत्व 92.84 से घटकर 30 जून, 2018 को 89.72 हो गया।

देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान

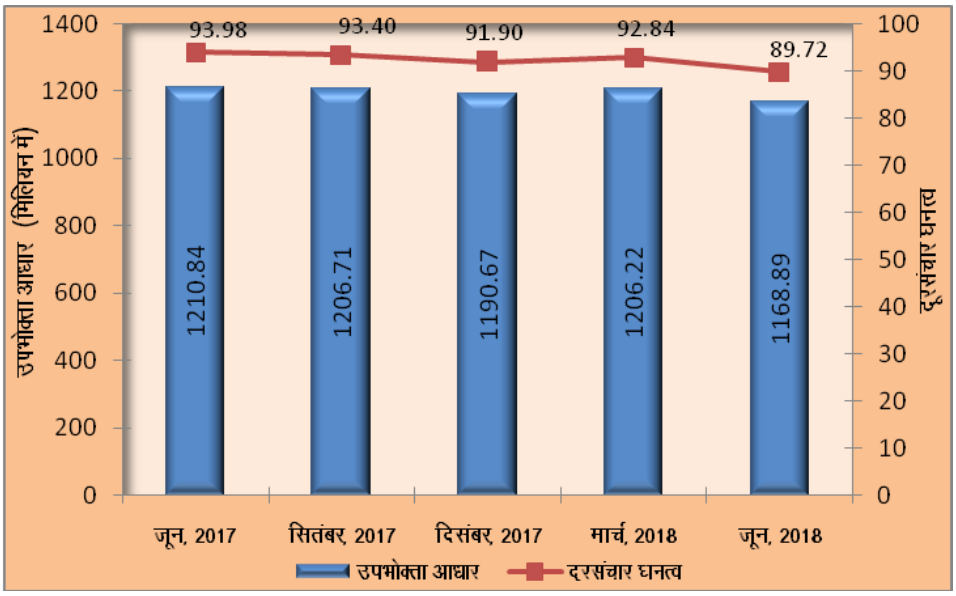

2. मार्च, 2018 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 681.61 मिलियन से घटकर जून, 2018 के अंत में 652.76 मिलियन हो गया तथा इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व भी 165.90 से घटकर 158.16 हो गया। इसी दौरान ग्रामीण दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 524.61 मिलियन से घटकर 516.13 मिलियन हो गया, तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 59.05 से घटकर 57.99 हो गया।

3. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी मार्च, 2018 के अंत तक 43.49 प्रतिशत से बढ़कर जून, 2018 के अंत तक 44.16 प्रतिशत हो गई।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

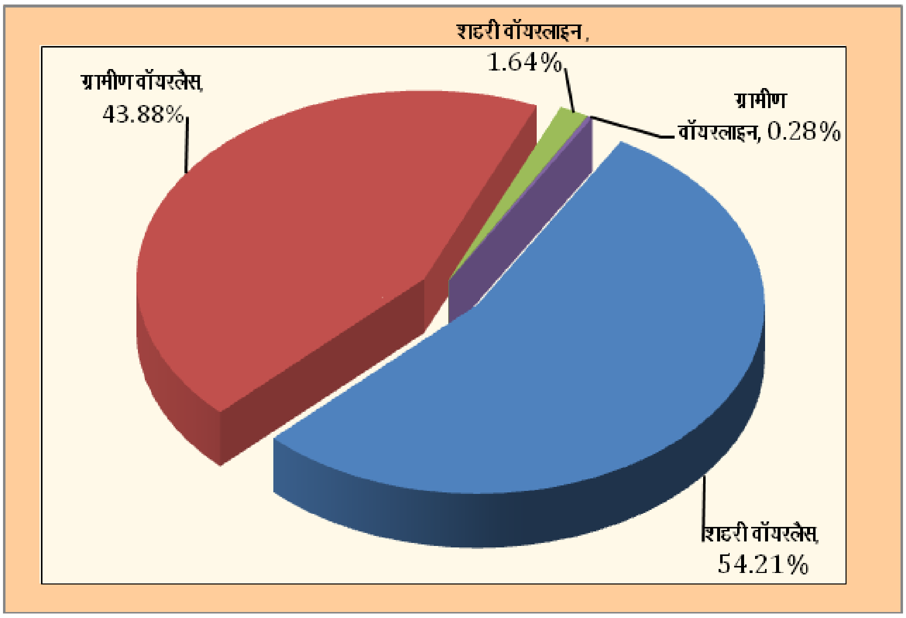

4. इस तिमाही के दौरान 36.92 मिलियन वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल कमी के साथ ही मार्च, 2018 के अंत तक कुल वॉयरलैस (जीएसएम एलटीई सहित+सीडीएमए) उपभोक्ताओं की संख्या 1,183.41 मिलियन से घटकर जून, 2018 के अंत तक 1,146.49 मिलियन हो गया, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 3.12 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई। वार्षिक आधार पर जून, 2018 के लिये वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में 3.40 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गयी।

5. वायरलैस दूरसंचार घनत्व भी मार्च, 2018 के अंत में 91.09 से घटकर जून, 2018 के अंत में 88.00 हो गया।

6. वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2018 के अंत में 22.81 मिलियन से और घटकर जून, 2018 के अंत में 22.40 मिलियन रह गया जिसमें 1.82 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई। जून, 2018 को समाप्त तिमाही अवधि के लिए वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष दर वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 6.68 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

7. वॉयरलाइन दूरसंचार घनत्व भी मार्च, 2018 के अंत में 1.76 से घटकर जून, 2018 के अंत में 1.72 रह गया।

8. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या मार्च, 2018 के अंत में 493.96 मिलियन से बढ़कर जून, 2018 के अंत में 512.26 मिलियन हो गई जिसमें 3.71 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई।

कुल 512.26 मिलियन इंटरनेट उपभाक्ताओं में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 21.16 मिलियन तथा वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 491.10 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

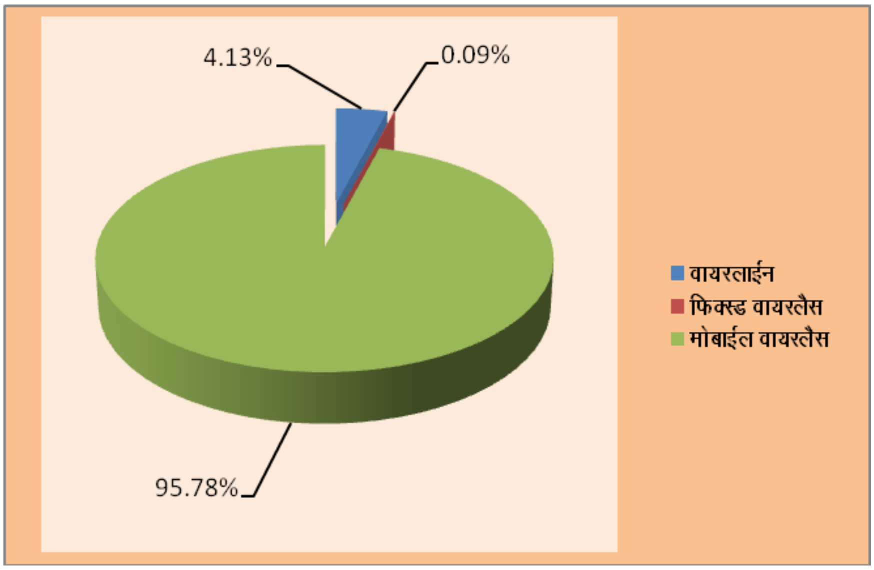

9. ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2018 के अंत में 412.60 मिलियन से बढ़कर जून, 2018 के अंत में 447.12 मिलियन हो गई जिसमें 8.37 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई।

10. नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2018 के अंत में 81.35 मिलियन से घटकर जून, 2018 के अंत में 65.14 मिलियन रही जिसमें 19.93 प्रतिशत की तिमाही कमी दर दर्ज की गई।

11. जीएसएम सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 8.92 प्रतिशत तिमाही ह्रास दर के साथ मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के 76 रुपए से घटकर जून, 2018 को समाप्त तिमाही में 69 रुपए हो गया। जीएसएम सेवा के लिए मासिक एआरपीयू इसी तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 12.97 प्रतिशत की दर से कम हो गया।

12. जीएसएम सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही में 62 रुपए से घटकर जून, 2018 को समाप्त तिमाही में 59 रुपए हो गया, जबकि प्रतिमाह पोस्ट–पेड एआरपीयू मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही में 360 रुपए से बढ़कर जून, 2018 को समाप्त तिमाही में 307 रुपए हो गया।

13. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए 584 मिनट से बढ़कर जून, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए 608 मिनट हो गया।

14. जीएसएम प्रीपेड सेवा के लिए एमओयू प्रति उपभोक्ता मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए 575 मिनट से बढ़कर जून, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए 601 मिनट हो गया, जबकि पोस्ट–पेड एमओयू मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए 776 मिनट से घटकर जून, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए 765 मिनट हो गया।

15. सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 65.08 प्रतिशत ह्रास दर के साथ मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए 79 रुपए से घटकर जून, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए 28 रुपए हो गई। सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए मासिक एआरपीयू इस तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 76.52 प्रतिशत की दर से कम हो गया।

16. सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी हेतु कुल एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह में 68.56 प्रतिशत की ह्रास दर्ज की गई अर्थात् मार्च, 2018, 2017 को समाप्त तिमाही में 61 मिनट से घटकर जून, 2018 को समाप्त तिमाही में 19 मिनट हो गया। मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) एमओयू 39 से घटकर जून, 2018 को समाप्त तिमाही में मात्र 2 मिनट रह गया तथा अंतर्गामी (इनकमिंग) एमओयू भी मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही में 22 मिनट से घटकर जून, 2018 को समाप्त तिमाही में 17 हो गया।

17. जून, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमशः 58,401 करोड़ रुपए तथा 36,552 करोड़ रुपए रहा। जून, 2018 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर में 6.10 प्रतिशत की ह्रास दर तथा एजीआर में 2.40 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

18. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर तथा एजीआर में वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई.) ह्रास दर क्रमशः 10.00 प्रतिशत तथा 8.11 प्रतिशत दर्ज की गई।

19. जून, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार पिछले तिमाही के 26,501 करोड़ रुपए से घटकर 21,849 करोड़ रुपए हो गया। जून, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार में तिमाही तथा वार्षिक ह्रास दर क्रमशः 17.56 प्रतिशत तथा 12.99 प्रतिशत रही।

20. मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क 2,932 करोड़ रुपए से घटकर जून, 2018 में 2,929 करोड़ रुपए हो गया। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वार्षिक ह्रास दर क्रमशः 0.11 तथा 10.17 प्रतिशत रही।

21. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 70.00 प्रतिशत का योगदान दिया। जून, 2018 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), लाइसेंस शुल्क, स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार तथा पास–थ्रू प्रभारों (एसयूसी) में क्रमशः 9.07 प्रतिशत, 2.88 प्रतिशत, 2.21 प्रतिशत एवं 21.86 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई जबकि समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) में 0.54 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

<u>समायोजित सकल राजस्व का वितरण</u>

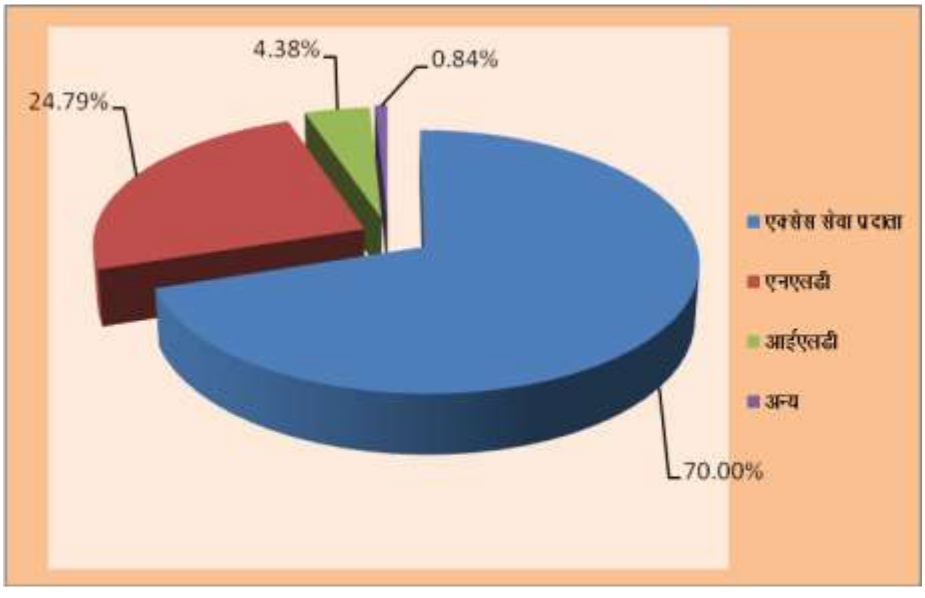

22. एजीआर आधारित एक्सेस सेवाओं के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही में 71.62 रुपए से बढ़कर जून, 2018 को समाप्त तिमाही में 73.34 रुपए हो गया।

23. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा की गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:–

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर स्थानीक वितरण पैमाना (नेटवर्क क्यूएसडी 90, 90) (प्रतिशत) • नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर कालिक वितरण पैमाना (नेटवर्क क्यूटीडी 97, 90) (प्रतिशत) • प्वाइंट ऑफ इंटरकनेक्सन (पीओआई) कंजेशन (बेंचमार्क पूरा नहीं करने वाले पीओआई की संख्या) • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –पोस्टपेड • 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत	• कॉल सेट–अप सफलता दर, सर्किट स्वीच्ड भ्वाईस या भोल्टे जो भी लागू हो, सत्र प्रारंभ होने की सफलता दर (लाइसेंसधारी के स्वयं के नेटवर्क के भीतर) • एसडीसीसीएच/पेजिंग चैनल कंजेशन/ आरआरसी कंजेशन (प्रतिशत) • टीसीएच, आरएबी तथा ई–आरएबी कंजेशन (प्रतिशत) • बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट तथा वैधता शिकायतों का समाधान (छह सप्ताह के भीतर शत प्रतिशत) • कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच • 7 दिनों के भीतर सेवा को समाप्त/बंद किए जाने हेतु अनुरोधों का प्रतिशत • खाता बंद करने के पश्चात् निक्षेपों के प्रतिदाय में लिया गया समय

25. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलाइन सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• ग्राहक की सहायता के लिए प्रत्युत्तर समय – कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच	• अगले दिन तक दोष सुधार का प्रतिशत (शहरी क्षेत्रों के लिए) • मीन टाईम टू रिपेयर (एमटीटीआर) • बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट तथा वैधता शिकायतों का समाधान • 7 दिनों के भीतर सेवा को शत प्रतिशत समाप्त/बंद किया जाना।

26. दिनांक 30.06.2018 की स्थिति के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा केवल अपलिकिंग/केवल डॉऊनलिकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये 867 निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों को अनुमति प्रदान की गई है।

27. 49 प्रसारकों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार 308 पे–चैनलों के मुकाबले 30 जून, 2018 की स्थिति के अनुसार कुल 309 पे–चैनल थे। इन 309 पे–चैनलों में 212 एसडी पे–चैनल एवं 97 एचडी पे–चैनल शामिल है। इस तिमाही के दौरान, जैसा कि प्रसारकों के द्वारा रिपोर्ट किया गया है, दो नये चैनल चालू हुए तथा *टूनामी* नामक एक पे–चैनल को बंद कर दिया गया।

28. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से भारतीय डीटीएच सेवा में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। जून, 2018 के अंत तक देश में पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या 5 थी। डीटीएच के कुल सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या 30 जून, 2018 को लगभग 69.37 मिलियन हो गया है। यह संख्या दूरदर्शन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं के अलावा है।

29. ऑल इंडिया रेडियो–सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा, 34 प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार दिनांक 31 मार्च, 2018, 2017 की स्थिति के अनुसार 86 शहरों में कार्यरत 324 निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की तुलना में दिनांक 30 जून, 2018 की स्थिति के अनुसार 86 शहरों में कुल 328 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे हैं।

30. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 30 जून, 2018 को देश में कुल 237 सामुहिक रेडियो स्टेशन कार्यरत हैं।

मुख्य झलकियाँ

30 जून, 2018 की स्थिति के अनुसार डॉटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वॉयरलैस+वॉयरलाइन)	
कुल उपभोक्ताओं की संख्या	1,168.89 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-3.09 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	652.76 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	516.13 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	88.72 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	11.28 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	89.72
शहरी दूरसंचार घनत्व	158.16
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	57.99
वॉयरलैस उपभोक्ता	
कुल वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्या	1,146.49 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-3.12 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	633.60 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	512.89 मिलियन
जीएसएम उपभोक्ताओं की संख्या	1,143.48 मिलियन
सीडीएमए उपभोक्ताओं की संख्या	3.02 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	89.83 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	10.17 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	88.00
शहरी दूरसंचार घनत्व	153.52
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	57.63
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	10,418,076 टेराबाईट
वॉयरलाइन उपभोक्ता	
कुल वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या	22.40 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-1.82 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	19.16 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	3.24 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	32.12 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	67.88 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	1.72
शहरी दूरसंचार घनत्व	4.64
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.36
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	1,86,951
पब्लिक कॉल ऑफिसों की संख्या (पीसीओ)	3,30,504

दूरसंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	58,401 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-6.10 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	36,552 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	2.40 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	10.61 प्रतिशत
एक्सेस सेवाओं हेतु प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू)	73.34 रुपए
इंटरनेट/ब्रॉडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	512.26 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	3.71 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	65.14 मिलियन
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	447.12 मिलियन
वॉयरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	21.16 मिलियन
वॉयरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	491.10 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	338.84 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	173.42 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	39.32
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	82.10
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	19.48
प्रसारण और केबल सेवाएं	
सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	867
पे–टीवी चैनलों की संख्या	309
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या	328
एक्टिव डीटीएच उपभोक्ताओं की संख्या	69.37 मिलियन
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	237
पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	5
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
जीएसएम पूर्ण मोबिलिटी सेवा हेतु मासिक एआरपीयू	69 रुपए
सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा हेतु मासिक एआरपीयू	28 रुपए
जीएसएम पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू)	608 मिनट
सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू)	19 मिनट
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) उपयोग मिनट	188.78 मिलियन
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डॉटा उपयोग	
जीएसएम (एलटीई सहित) हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग	3,216 एमबी
सीडीएमए हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग	53 एमबी
प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग–कुल (जीएसएम+सीडीएमए)	3,206 एमबी
जीएसएम (एलटीई सहित) सेवा के लिए प्रति जीबी डाटा का औसत मूल्य	12.06 रुपए
सीडीएमए सेवा के लिए प्रति जीबी डाटा का औसत मूल्य	88 रुपए